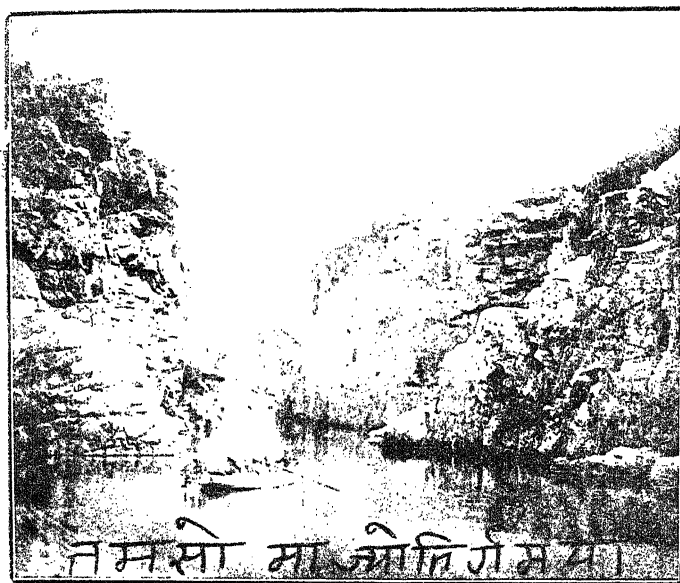


# जबलपुर—ज्योति



निशा गई आई उषा फैली ज्योति अकाश ।

उठहु भ्रात चख भीजके निरखहु किरण प्रकाश ॥